प्रेमचंद महत्तर सदस्यता बांग्लादेश के लेखक सफिकुन्नबी को समर्पित

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्य अकेडमी ने मंगलवार को अपनी प्रतिष्ठित प्रेमचंद महत्तर सदस्यता बांग्लादेश के प्रख्यात लेखक और अनुवादक प्रोफेसर सफ़क्कुिन्नबी सामादी को अर्पित की। साहित्य अकेडमी के तृतीय तल स्थित सभाकक्ष में आयोजित एक गरिमामय समारोह में उन्हें यह महत्तर सदस्यता साहित्य अकेडमी के अध्यक्ष माधव कौशिक द्वारा प्रदान की गई। कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकेडमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सफ़क्कुिन्नबी सामादी का स्वागत किया।

- अनुवाद दुनिया को जोड़ने का जरिया है - सफ़िकुन्नबी सामादी
- साहित्य हर सीमा के प्रतिबंध से स्वतंत्र होता है : माधव कौशिक

माधव कौशिक ने कहा कि मानचित्र पर जितनी भी सीमाएं हो लेकिन साहित्य हर सीमा के प्रतिबंध से स्वतंत्र होता है। साहित्य ही इंसान को इंसान से जोड़ता है। अतः सफ़क्कुिन्नबी का सम्मानित होना उस संवेदना का सम्मान है जो बिना सीमा के हमसब के दिलों में संचारित होती है। हमें सफ़क्कुिन्नबी को ऐसा विश्व नागरिक मानना चाहिए जो दो देशों के बीच की संवेदनाओं को आपस में जोड़ने का महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहे है। प्रो. सामादी ने कहा कि मै भारतीय उपमहाद्वीप को जोड़ना चाहता हूं और यह काम भाषाओं के जोड़ने से ही संभव होगा। हिंदी, उर्दू में अनुवाद के जरिए मै पहले घर, फिर पड़ोस और फिर दुनिया को

जोड़ने का काम करना चाहता हूँ। मै जब अनुवाद करता हूँ तो मै एक संस्कृति को अनूदित करता हूँ। मै मानता हूँ कि यह काम धीरे-धीरे एक कारवां का रूप लेगा और इस महाद्वीप की सभी संस्कृतियां आपस में मेल-मिलाप की तरह अग्रसर होंगी। कार्यक्रम में रामकुमार मुखोपाध्याय, सुरेश ऋतुपर्ण, मोहन हिमथाणी, नसीब सिंह मन्हास आदि विभिन्न भाषाओं के लेखक एवं साहित्य प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अकेडमी के उपसचिव एन. सुरेशबाबू ने किया।